Annual Report- 2022-23

THE SERRENDIP

A FOUNDATION OF FINDINGS AND APPLICATIONS FOR PERSONS WITH AUTISM AND RELATED DISORDERS

A NON-GOVERNMENT ORGANISATION REGISTERED IN MADHYAPRADESH

SHAPING THOUGHTS

SHIFTING PARADIGMS

Goodwill Message

Mr. Sandeep Rajak

State Disability Commissioner,
Madhya Pradesh

संदीप रजक
आयुक्त

अर्द्ध शास. पत्र क्रमांक 227
कार्यालय : आयुक्त नि:शक्तजन मध्यप्रदेश
कम्युनिटी हॉल, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर भोपाल-462003
टेलीफैक्स : 0755-2773008 (का.) मो. 9425139344
ईमेल - comm-pwds@mp.gov.in

शुभकामना संदेश

दिनांक 02.03.2023

अत्यंत हर्ष का विषय है कि "THE SERRENDIP' संस्था विगत 5 वर्षो से दिव्यांगजनों (ऑटिज्म/ स्वलीन) लिये कार्य कर रही है, संस्था द्वारा दिव्यांगजनों के हित संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

संस्थान द्वारा दिव्यांगजनों को शिक्षा, देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडने का प्रयास किया जा रहा है। दिव्यांगजनों के भविष्य के निर्माण एवं उनके लिये सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ की जानकारी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रदान किया जाना अत्यंत ही सराहनीय है।

वर्ष 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित किये जाने हेतु मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनायें मैं संस्था के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

(संदीप रजक)
आयुक्त
नि:शक्तजन मध्यप्रदेश

प्रति,

श्री नवीन शर्मा,
सचिव,
The SERRENDIP
53, आलोक नगर,
आधारताल जबलपुर
मध्यप्रदेश

President's Message

Autism affects more than 18 million people – around 1-1.5 per cent children have been diagnosed with autism. This is a serious disability, unfortunately, still not given its due significance to the society at large and the families of the affected individuals.

This hidden developmental disability is largely misunderstood. As a consequence, the affected individuals do not get the care they require specially in country like India. In developed countries, government, NGOs, and the society provide the required infrastructure and support to help autistic individuals.

I am happy that The Serrendip has taken a challenge to work on all the aspects of Autism – from awareness to advocacy and capacity building etc. The Serrendip has grown from strength to strength since its inception and is on the path to deliver all its promises – vision and mission.

I would like to see The Serrendip taking a giant leap in coming years to engage on the ground with affected individuals and families.

Best wishes!!

Navin Kumar Sharma

Figure 1 AN EYE FOR ATTENTION TO DETAIL

Awareness

विश्व स्वलीनता दिवस 2022 अप्रैल 3, रन फॉर ऑटिज्म

कविता शर्मा

पृष्ठभूमि व रूपरेखा

विश्व स्वलीनता दिवस साधारणतया अप्रैल 2nd को मनाया जाता है, इस वर्ष हमारी संस्था - दि सेरेंडिप ने तीन अप्रैल 2022 को इसे मनाया। स्वलीनता को अंग्रेजी में ऑटिज्म कहते हैं

इस कार्यक्रम का नाम था **रन फॉर ऑटिज्म** और इसका उद्देश्य था कि हम समाज से जुड़े और उन्हें ऑटिज्म से संबंधित सभी बातों से अवगत कराएं . हमारा यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर डॉ इलीया राजा टी एवं स्थानीय पार्षद श्री अमरीश मिश्रा की सहमति से नॉन मोटराइज्ड ट्रैक पर हुआ जो महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल के पास है।

Figure 2 ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज के स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं

Figure 3 अतिथियों के साथ दिव्यांगजन

यह कार्यक्रम कई संस्थाओं के सहयोग से पूर्ण हुआ जिसमें फोरम फॉर ऑटिज्म मुंबई, आंचल जबलपुर, निशक्त व्यक्ति अभिभावक संघ जबलपुर, सनराइज एकेडमी जबलपुर और परिवार -नेशनल फेडरेशन ऑफ पैरेंट्स एसोसिएशन, आशा आर्मी स्कूल के दिव्यांग बच्चे और उनके माता-पिता और स्पेशल एजुकेटर शामिल थे.

इस कार्यक्रम में आमंत्रित हमारे अतिथि गणों में मुख्य अतिथि डॉक्टर श्रद्धा तिवारी जोकि आरटीई के तहत राज्य शिक्षा सलाहकार है, डॉ एच पी तिवारी जो जनसत्ता के संपादक हैं, मि. दीपक मिश्रा जो रोटरी क्लब के अध्यक्ष हैं, मिस्टर अभय कुमार दुबे, प्रेरणा निशक्त व्यक्ति अभिभावक

संघ के प्रेसिडेंट है मिस्टर राजेंद्र कुमार नेमा, जो आंचल संस्था के डायरेक्टर हैं, मिस्टर रजनीश अग्रवाल जो लोकल लेवल कमिटी- नेशनल ट्रस्ट के एक सदस्य हैं, डॉक्टर विलास पवार, जो नेशनल करियर सर्विस के ज्वाइंट डायरेक्टर है, डॉ नवीन शर्मा जो हमारी संस्था के प्रेसिडेंट हैं शामिल थे। इसके अतिरिक्त संस्था के गवर्निंग बॉडी के सभी मेंबर भी शामिल थे। सनराइज एकेडमी की डायरेक्टर श्रीमती विनीता पगारे जी का सहयोग सराहनीय था।
अन्य स्थानीय माननीय अतिथियों में डॉक्टर योगेंद्र वेगढ़ एवं डॉक्टर निगम, पूर्व अध्यापक, मॉडल हाई स्कूल भी शामिल हुए

दि सेरेंडिप की टीम के सदस्यों का सहयोग

डॉ राजीव खत्री, श्रीमती मधुलिका मिश्रा त्रिपाठी, श्रीमती रोशनी सिंह एवं मिस्टर एकांश सक्सेना के सहयोग के बिना यह कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता था।
डॉ राजीव खत्री जो हमारी संस्था के वाइस प्रेसिडेंट है उन्होंने शुरुआत से ही हर क्षेत्र में सहयोग प्रदान किया, साथ ही साथ उन्होंने ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र छात्राओं को वॉलिंटियर के रूप में लाया जिनका सहयोग सराहनीय है।
डॉ मधुलिका मिश्रा त्रिपाठी जो हमारी संस्था की गर्वनिंग बॉडी मेंबर - फाइनेंस है उन्होंने पूरे कार्यक्रम को उत्साह पूर्ण ढंग से एंकर किया और सभी सहभागीयों को साथ में संलग्न किया।
श्री एकांश सक्सेना, जो हमारी संस्था के ज्वाइंट सेक्रेटरी हैं ने पूरी व्यवस्था का लगातार अवलोकन किया और पूरी कार्यवाही को संपूर्ण करवाया वही श्रीमती रोशनी सिंह जी, जो हमारी संस्था की एग्जीक्यूटिव मेंबर है ने सभी को सादर धन्यवाद प्रेषित किया
इस पूरे कार्यक्रम में करीब 150 लोगों ने भाग लिया जिसमें हर वर्ग के परसन्स विद डिसेबिलिटीज या दिव्यांगजन, ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र व छात्राएं वॉलिंटियर के रूप में शामिल थे। वीआरसी जो अब नेशनल करियर सर्विस सेंटर कहलाता है, से भी कई ट्रेनीज शामिल थे।

अतिथियों का उद्बोधन

डॉ श्रीमती श्रद्धा तिवारी ने अपने उद्बोधन में सभी से आग्रह किया कि हमें इन बच्चों को अपने ही जैसा देखना चाहिए और उन्हें हर जगह शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्था द्वारा किए गए प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की गई साथ ही उनके द्वारा उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों को हार ना मानते हुए अपनी ओर से अधिक से अधिक प्रयास करने हेतु प्रेरित किया गया।
वही मिस्टर दीपक मिश्रा जो रोटरी के अध्यक्ष हैं उन्होंने क्लब की ओर से इस दिशा में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की ओर ध्यान इंगित कराते हुए मुक्त कंठ से सेरेंडिप के प्रयासों की प्रशंसा की एवं भविष्य में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया।
डॉ विलास पवार जो ज्वाइन डायरेक्टर हैं नेशनल करियर सर्विस सेंटर के, उन्होंने अपने ऑर्गेनाइजेशन के बारे में बताया कि वह किस तरीके से एंप्लॉयमेंट की दिशा में काम कर रहे हैं।
आंचल संस्था से उपस्थित श्री नेमा जी ने ऐसे बच्चों के माता पिता और समाज को आगे आने और इसी तरह की बीमारियों से ग्रसित बच्चों की मदद करने हेतु आह्वान किया।
श्री अभय दुबे जी ने जोकि नेशनल ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य हैं ने बताया की ट्रस्ट की ओर से इस दिशा में क्या क्या कदम उठाए जा रहे हैं और शासन की विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।
डॉ नवीन शर्मा जो हमारी संस्था के अध्यक्ष हैं, उन्होंने संस्था के उद्देश्यों के बारे में सभी को बताया। उन्होंने संस्था के द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का विवरण देते हुए सभी से भविष्य में भी इसी तरह सहयोग प्रदान करने हेतु कहा।
इस अवसर पर श्री रजनीश अग्रवाल जोकि जबलपुर लोकल लेवल कमेटी के दिव्यांग सदस्य हैं ने अपने उद्बोधन में दिव्यांगों को अतिथि एवं स्वयं को सहयोगी बताते हुए कहा कि आने वाले समय में महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल में दिनांक 7 अप्रैल को शासन की ओर से लगने वाले विशाल दिव्यांग शिविर में उपस्थित होने एवं शासन की विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाने कहा। उन्होंने बताया की 7 तारीख को लगने वाले कैंप में मानसिक दिव्यांग हेतु सभी सुविधाएं एक ही जगह पर उपलब्ध होंगी जैसे कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, गार्जियनशिप प्रमाण पत्र बनाना आदि।

संस्था के भविष्य में आने वाले कार्यक्रम और उनसे संबंधित चुनौतियां एवं समाधान

संस्था की सेक्रेटरी एवं स्पेशल एजुकेटर श्रीमती कविता शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि इस दिशा में अधिक से अधिक कार्य किए जाने हैं तो सरकार को अपने विभिन्न भवनों में संस्थाओं को चलाने की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए ताकि संस्थाएं अपने प्रयासों को दिव्यांगों की मदद में केंद्रित करते हुए अधिक से अधिक कार्य कर सकें।

रन फॉर ऑटिज्म

अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात सभी सहभागी गणों की समावेशी दौड़ शुरू हुई 800 मीटर का ट्रैक पूरा करने वाले प्रथम 30 लोगों को मेडल भी दिए गए। इस दौड़ में प्रथम आने वाले दिव्यांग बच्चे का नाम शैवलीन द्विवेदी है, जो आशा आर्मी स्कूल के एक विद्यार्थी हैं वही इस दौड़ को पूरा करने के लिए श्रुति नेमा आखरी तक श्रम करती रही और विजेता भी रही, जो आंचल स्पेशल स्कूल की छात्रा हैं।
दौड़ के अंत में सभी प्रतिभागियों व अतिथियों स्नैक्स को दिए गए।
कुछ वॉलिंटियर्स ने भी सामने आकर कहा कि हम लोगों ने कभी भी ऑटिज्म के बारे में नहीं सुना था और और उन सभी ने प्रॉमिस किया कि आगे से वह सब आटिज्म वाले बच्चों को या उनके परिवारों को मदद करेंगे इस तरह यह प्रोग्राम समाज में जागरूकता लाने की दृष्टि से एक सफल प्रोग्राम रहा।
यह कार्यक्रम कई रूपों में सफल कार्यक्रम था क्योंकि हमें समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों से सहयोग मिला।

Reaching Out

Capacity Building of Parents and Professionals of Army Public School, Jabalpur, MP was done through an on-line webinar in August 7, 2022. The topic discussed was Early Identification and Effective Intervention of Learning Disabilities and Speech Related Problems in Kids. The deliberation was done by Kavita Sharma.

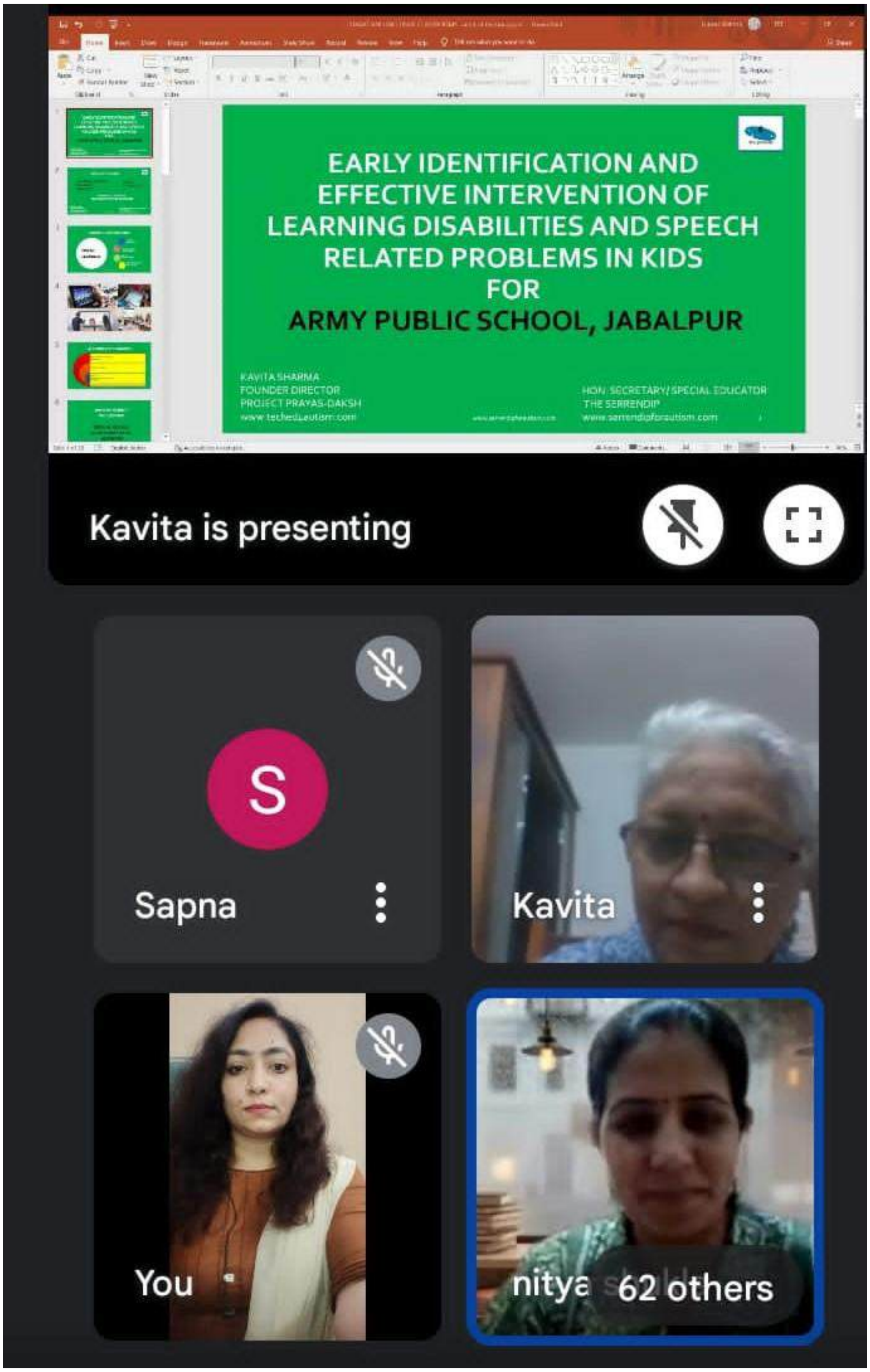

Reaching Out

Capacity Building of Professionals of Air Force Golden Jubilee Institute, Subroto Park, New Delhi was organized on August 27, 2022. The topic was Technology Based Intervention of Persons with Disabilities. The open resource discussed was www.teched4autism.com. The deliberation was done by Kavita Sharma.

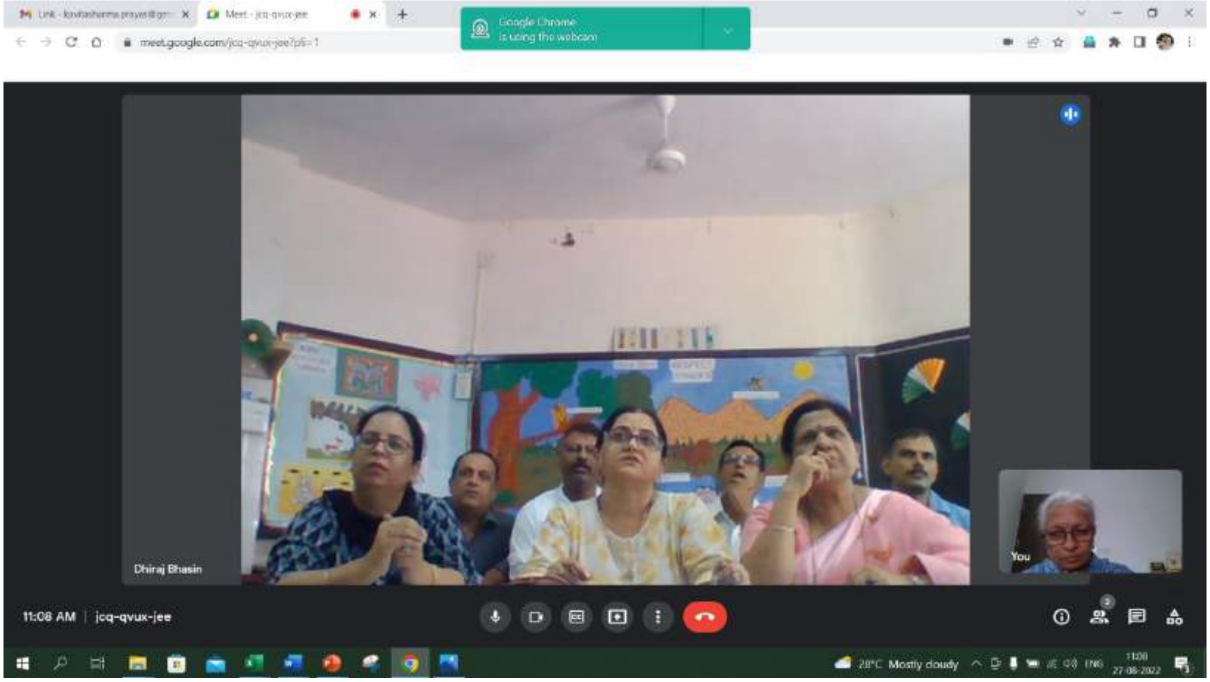

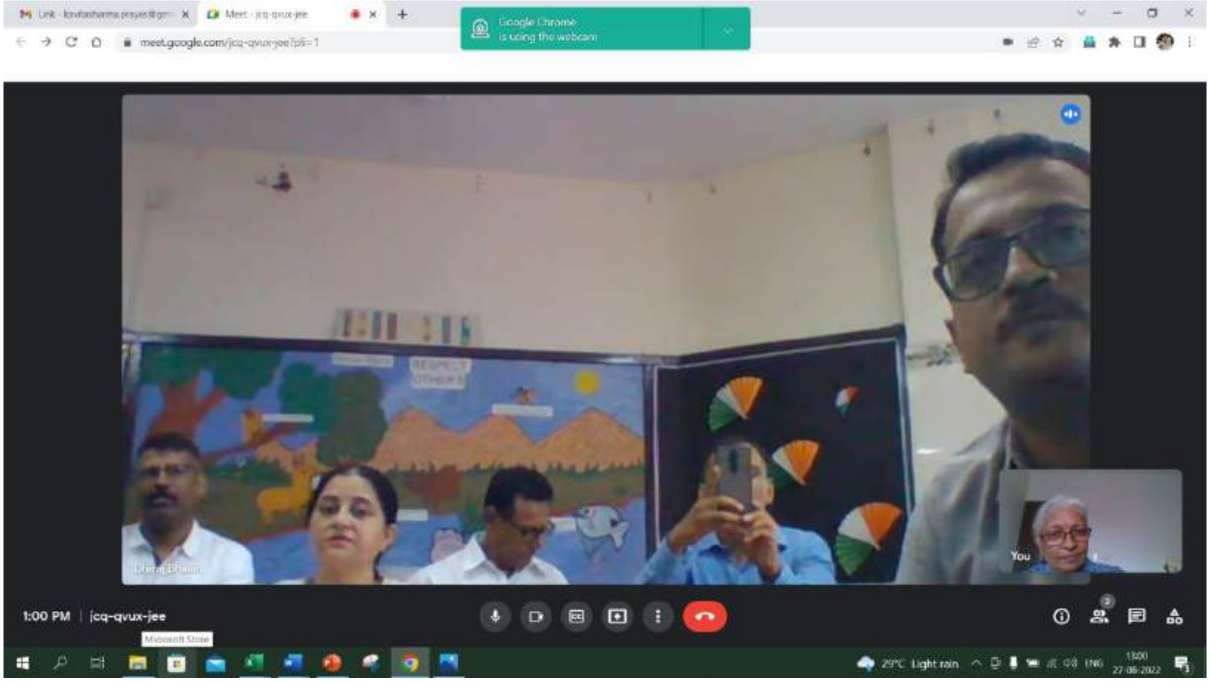

Awareness

Embracing Autism: Towards a More Inclusive Society

An article by Dr, Rajiv Khatri,
Vice- President- The Serrendip
Director- Global Engineering College, Jabalpur, MP

Introduction
Autism, a complex neurological condition, affects individuals' social interaction, communication, and behavior. Over the years, societies worldwide have made significant progress in understanding and accepting autism, challenging the stigma surrounding it. In India, the Government has taken notable steps towards creating an inclusive environment for individuals with autism. This article delves into the societal acceptance of autism in India, highlighting the facilities provided by the Government to promote accessibility, education, employment, and social integration for individuals on the autism spectrum.

Societal Perception and Awareness
Historically, societies often lacked awareness and understanding of autism, leading to misconceptions and marginalization. However, in recent years, there has been a considerable shift in societal perception. People are increasingly recognizing autism as a neurodivergent condition rather than a disorder to be cured. Awareness campaigns, advocacy groups, and the sharing of personal stories have played a crucial role in changing attitudes and fostering acceptance.

Government Initiatives and Facilities
The Government of India has taken significant steps to promote the inclusivity and well-being of individuals with autism. Here are some notable facilities and initiatives:

1. Education:
The Right to Education Act guarantees free and compulsory education for children with disabilities, including autism. The government promotes inclusive education by ensuring that schools provide necessary accommodations, such as special educators, sensory-friendly environments, and Individualized Education Plans (IEPs). Additionally, the government has established special schools and resource centers that cater specifically to children with autism.

2. Healthcare and Therapy:
Government hospitals and healthcare facilities provide diagnostic and therapeutic services for individuals with autism. These services include early intervention programs, speech therapy, occupational therapy, and behavioral interventions. The government also facilitates the training of healthcare professionals and therapists to enhance the quality of care provided to individuals on the autism spectrum.

3. Employment and Vocational Training:
Recognizing the importance of employment opportunities, the Indian Government has implemented affirmative action policies and reservation quotas for individuals with disabilities, including autism. Public and private sector organizations are encouraged to create an inclusive workforce by providing equal employment opportunities, reasonable accommodations, and sensitization programs for their employees.

4. Accessibility:
The Rights of Persons with Disabilities Act mandates accessible infrastructure and transportation for individuals with disabilities. The Government has been making efforts to improve accessibility, such as installing ramps, accessible washrooms, and tactile paths in public spaces. Additionally, the Indian Railways provides concessions for individuals with disabilities, making train travel more accessible and affordable.

5. Social Welfare Schemes:
The Government offers various social welfare schemes to support individuals with disabilities, including those with autism. These schemes encompass financial assistance, healthcare benefits, skill development programs, and rehabilitation services. Such schemes aim to empower individuals with autism and enhance their overall quality of life.

Conclusion
Societal acceptance of autism in India has come a long way, with increasing recognition of the unique strengths and challenges faced by individuals on the autism spectrum. The Government of India has played a crucial role in fostering acceptance and providing facilities for the well-being and inclusion of individuals with autism. From education and healthcare to employment and accessibility, the government has implemented various initiatives and policies to create a more inclusive society.

However, there is still work to be done. Raising further awareness about autism and combating persisting stereotypes will contribute to building a more accepting society. Continued investment in training programs for educators, healthcare professionals, and employers will further enhance support and opportunities for individuals with autism. Additionally, ensuring the effective implementation of existing policies and schemes is vital for maximizing their impact.

By valuing neurodiversity, embracing individual differences, and promoting inclusive practices, we can create a society where individuals with autism are included in society.

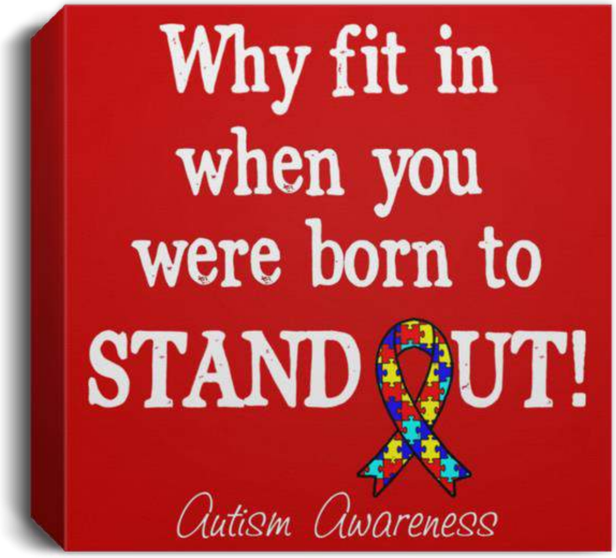

A Family Day Out for All Associated

On January 29,2023, a family day out for all associated members of The Serrendip was organized at Empire Lawns, Bilahri, Jabalpur. All had a great time.

Reaching Out

Capacity Building of Parents of Sunrise Academy was organized on February 21, 2023. The topic was Technology Based Intervention of Persons with Autism and related disorders. The open resource discussed was www.teched4autism.com. The deliberation was done by Kavita Sharma.

Most parents were amazed at the simple method used to build skills related to the computers, most of them have registered with the portal and started working with their kids. It was an overwhelming response.

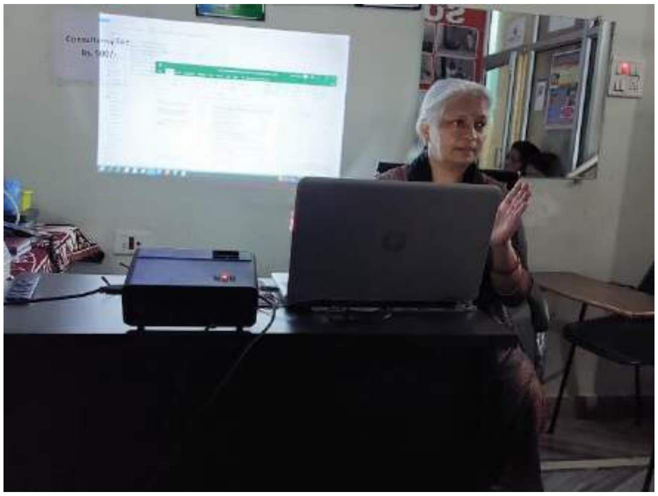

Self- Advocacy- My Life after Marriage

Viraj is a young adult with Autism, he works for an MNC as a data analyst since 2016. Nearly 18 months back he got married. I thought of asking him as how is his life after marriage. I asked him to write an article on that and to make his task easy, I gave him following questions to answer.

I was amazed at the clarity of thoughts of Viraj. I would like you all to read these answers and get amazed yourself.

Kavita Sharma

1. What does marriage mean to you and your wife?

Marriage is an institution where a couple can reproduce legitimately. Also, it is supposed to be an agreement that the couple will take care of each other physically, emotionally and spiritually.

2. Did you know each other before marriage? Did that help?

Yes, we knew each other before the marriage. Her family got to know me through a matrimony. Not sure knowing her before the marriage helped me in any way.

3. How do you share responsibilities of your home life?

Most of the household chores are done by my mother and by helpers. My wife does help my mom in the kitchen and she goes to the grocery store. I don't do much other than office work.

4. Does autism impact your married life? If yes, how?

Very much, but more than mine, it is my Aspie wife's autism that has affected the marriage. She has poor pragmatic skills. She doesn't know what to speak what, when, where and how. Of course, I'm also not helping much. I don't know how to control my anger. Because we are people with Asperger Syndrome we tend to not communicate much. While I'm mostly vegetarian, she is a pure non-vegetarian person. Our journey has not been a smooth one for these reasons.

5. What makes marriages happy and long lasting according to you? Do you have any advice to give people with autism about preparing to lead a happy married life?

If both the people are marrying each other by their own will, if both of them have the same dietary habits and if both the people are of the same faith/religion, then the marriage will definitely last long. For a marriage to last long communication is critical.

My advice to fellow autistic people - Marry someone only if you are doing so both by your will and by the will of parents. Don't marry if you are pressurized to marry someone for whatever reasons. Don't marry a person if he/she is not willing to respect your dietary habits. Also, just that you are an autistic person doesn't necessarily mean your spouse also needs to be an autistic person.

6. Can you share 3 strengths or positive aspects of your relationship with your wife?

Faithfulness to each other.

Honesty and straightforwardness, even though we don't communicate often.

Summary

Overall, a great year in terms of connectedness, cooperations, co-existence and co- creations.
The Serrendip received great support from all well-wishers, professionals and stakeholders in the year 2022-2023. A very big acknowledgement for the same from the team of The Serrendip to one and all.

0-------------------------------0---------------------------0